8 बचपन के दिन

मेरा जन्म तमिलनाडु के रामेश्वरम् कस्बे में एक मध्यमवर्गीय तमिल परिवार में हुआ था। मेरे पिता जैनुलाबदीन की कोई बहुत अच्छी औपचारिक शिक्षा नहीं हुई थी और न ही वे कोई बहुत धनी व्यक्ति थे। इसके बावजूद वे बुद्धिमान थे और उनमें उदारता की सच्ची भावना थी। मेरी माँ, आशियम्मा, उनकी आदर्श जीवनसंगिनी थीं। हम लोग अपने पुश्तैनी घर में रहते थे। रामेश्वरम् की मस्जिदवाली गली में बना यह घर पक्का और बड़ा था।

बचपन में मेरे तीन पक्के मित्र थे– रामानंद शास्त्री, अरविंदन और शिवप्रकाशन। जब मैं रामेश्वरम् की प्राथमिक पाठशाला में पाँचवीं कक्षा में था तब एक नये शिक्षक हमारी कक्षा में आए। मैं टोपी पहना करता था, जो मेरे मुसलमान होने का प्रतीक था। कक्षा में मैं हमेशा आगे की पंक्ति में जनेऊ पहने रामानंद के साथ बैठा करता था। नये शिक्षक को एक हिंदू लड़के का मुसलमान लड़के के साथ बैठना अच्छा नहीं लगा। उन्होंने मुझे पीछे वाली बेंच पर चले जाने को कहा। रामानंद भी मुझे पीछे की पंक्ति में बैठाए जाते देख काफी उदास नज़र आ रहा था। पाठशाला की छुट्टी होने पर हम घर गए और सारी घटना अपने घरवालों को बताई। यह सुनकर रामानंद के पिता लक्ष्मण शास्त्री (जो रामेश्वरम् मंदिर के मुख्य पुजारी थे) ने उन शिक्षक महोदय को बुलाया और कहा कि उन्हें निर्दोष बच्चों के दिमाग में इस प्रकार की सामाजिक असमानता एवं सांप्रदायिकता का विष नहीं घोलना चाहिए। शिक्षक महोदय ने अपने किए व्यवहार पर न केवल दुख व्यक्त किया, बल्कि लक्ष्मण शास्त्री के कड़े रुख एवं धर्मनिरपेक्षता में उनके विश्वास से शिक्षक में अंततः बदलाव आ गया।

प्राथमिक पाठशाला में मेरे विज्ञान शिक्षक शिव सुब्रह्मण्यम् अय्यर कट्टर ब्राह्मण थे, लेकिन वे कुछ-कुछ रूढ़िवाद के खिलाफ हो चले थे। वे मेरे साथ काफी समय बिताते थे और कहा करते थे, "कलाम, मैं तुम्हें ऐसा बनाना चाहता हूँ कि तुम बड़े शहरी लोगों के बीच एक उच्च शिक्षित व्यक्ति के रूप में पहचाने जाओ।"

एक दिन उन्होंने मुझे अपने घर खाने पर बुलाया। उनकी पत्नी इस बात से बहुत ही परेशान थीं कि उनकी रसोई में एक मुसलमान को भोजन पर आमंत्रित किया गया है। उन्होंने अपने रसोईघर के अंदर मुझे खाना खिलाने से साफ इनकार कर दिया। अय्यर जी ने मुझे फिर अगले सप्ताह रात के खाने

पर आने को कहा। मेरी हिचकिचाहट को देखते हुए वे बोले, " इसमें परेशान होने की जरूरत नहीं है। एक बार जब तुम व्यवस्था बदल डालने का फैसला कर लेते हो तो ऐसी समस्याएँ सामने आतीं ही हैं।"

अगले सप्ताह जब मैं उनके घर रात्रिभोज पर गया तो उनकी पत्नी ही मुझे रसोईघर में ले गईं और स्वयं अपने हाथों से खाना परोसा।

पंद्रह साल की उम्र में मेरा दाखिला रामेश्वरम् के जिला मुख्यालय रामनाथपुरम् स्थित श्वार्ट्ज हाई स्कूल में हुआ। मेरे एक शिक्षक आयादुरै सोलोमन बहुत ही स्नेही व खुले दिमाग वाले व्यक्ति थे। वे सदैव छात्रों का उत्साह बढ़ाते रहते थे। रामनाथपुरम् में रहते हुए आयादुरै सोलोमन से मेरे संबंध काफी प्रगाढ़ हो गए थे। वे कहा करते थे, "जीवन में सफल होने और परिणाम प्राप्त करने के लिए तुम्हें तीन प्रमुख शक्तिशाली ताकतों को समझना चाहिए-इच्छा, आस्था और उम्मीदें।" उन्होंने ही मुझे सिखाया कि मैं जो कुछ भी चाहता हूँ, पहले उसके लिए मुझे तीव्र कामना करनी होगी, फिर निश्चित रूप से मैं उसे पा सकूँगा। वे सभी छात्रों को उनके भीतर छिपी शक्ति एवं योग्यता का आभास कराते थे। वे कहा करते थे, "निष्ठा एवं विश्वास से तुम अपनी नियति को बदल सकते हो।"

–ए.पी.जे.अब्दुल कलाम

शब्दार्थ

औपचारिक– विधिवत्	**जीवनसंगिनी**–पत्नी	**पुश्तैनी**–खानदानी	**निर्दोष**–दोषरहित
दाखिला–प्रवेश	**आस्था**– विश्वास	**कामना**– इच्छा	**आभास**–महसूस
प्रशंसा– बड़ाई	**धर्मनिरपेक्षता**–धर्मो.को समान रूप से देखना		

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से

1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

(अ) भूतपूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म हुआ था।

(क) बिहार में (ख) उड़ीसा में (ग) तमिलनाडु में (घ) कर्नाटक में

(ब) रामानन्द के पिता थे।

(क) सरकारी सेवक (ख) मन्दिर के पुजारी (ग) किसान (घ) व्यवसायी

(स) अब्दुल कलाम के बचपन में कितने पक्के मित्र थे।

(क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पाँच

2. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को शिक्षा ग्रहण करने में किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

3. रामानन्द के पिता ने दोनों दोस्तों के प्रति भेद-भाव का व्यवहार करने वाले शिक्षक से क्या कहा और ऐसा उन्होंने क्यों कहा?

पाठ से आगे

1. डॉ. अब्दुल कलाम के विज्ञान शिक्षक की पत्नी की सोच में क्या परिवर्तन हुआ, इस परिवर्तन के क्या कारण रहे होंगे?

2. नये शिक्षक के द्वारा डॉ. अब्दुल कलाम को उनके मित्र रामानन्द से अलग हटकर बैठने को कहा गया। शिक्षक के इस व्यवहार पर अपनी राय तर्क सहित दीजिए।

व्याकरण

1. वाक्य बनाइए-

गली, पाठशाला, शिक्षक, इच्छा, तीव्र

2. पर्यायवाची शब्द लिखिए-

धनी, घर, व्यक्ति, दिन, पत्नी

गतिविधि

1. भारत में अबतक जितने भी राष्ट्रपति बने हैं, उनकी सूची क्रमानुसार बनाइए। आप चाहें तो उनके चित्र भी संग्रह कर सकते हैं।

2. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त कीजिए।

© BSTBPC WEBCOPY, NOT TO BE PUBLISHED